PAGE NO.:
DATE: / /

पाठ :- 13

दिन :- मंगलवार
दिनांक :- 2 जून, 2020

साँवले सपनों की याद

शब्दार्थ :-

१.	गढ़ना	बनाना
२.	हुजूम	भीड़
३.	वादी	घाटी
४.	सोंधी	सुगंधित
५.	पलायन	भागना
६.	नैसर्गिक	सहज
७.	हरारत	उष्णता या गर्मी
८.	आबशार	झरना
९.	शोख	चंचल
१०.	शताब्दी	सौ वर्षों का समय

प्र० / उ० :-

१. किस घटना ने सालिम अली के जीवन की दिशा को बदल दिया और उन्हें पक्षी प्रेमी बना दिया ?

उ० - एक बार बचपन में सालिम अली की एयरगन से एक गौरैया घायल होगई। इस घटना से सालिम अली के जीवन की दिशा

बदल गई। वे गौरैया की देखभाल, सुरक्षा और खोजबीन में लग गए। उसके बाद उनकी रुचि पक्षी-संसार की ओर हो गई और वे पक्षी प्रेमी बन गए।

२. सालिम अली ने पूर्व प्रधानमंत्री के सामने पर्यावरण से संबंधित किन संभावित खतरों का चित्र खींचा होगा कि जिससे उनकी आँखें नम हो गई थीं?

उ०- सालिम अली ने पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह के सामने केरल की 'साइलेंट-वैली' संबंधी खतरों की बात उठाई होगी। उस समय केरल पर रेगिस्तानी हवा के झोंको का खतरा मंडरा रहा था। वहाँ का पर्यावरण दूषित हो रहा था। प्रधानमंत्री किसान परिवार से थे इसलिए वह भी प्रकृति से जुड़े हुए थे। ~~वह~~ पर्यावरण के दूषित होने के खतरे के बारे में सोचकर, उनकी आँखे नम हो गई।

३. लॉरेंस की पत्नी फ्रीडा ने ऐसा क्यों कहा होगा कि "मेरी छत पर बैठने वाली गौरैया लॉरेंस के बारे में ढेर सारी बातें जानती है?"

उ०- फ्रीडा लॉरेंस ने ऐसा इसलिए कहा क्योंकि उनके पति लॉरेंस भी एक पक्षी प्रेमी थे।

वह अपना अधिक से अधिक समय पक्षियों के साथ व्यतीत करते थे, जितना वो समय अपने परिवार को नहीं देते थे उससे कई ज़्यादा समय वह पक्षियों के साथ बिताते थे।

आशय स्पष्ट कीजिए :-

प्र॰ (क) वो लॉरेंस की तरह, नैसर्गिक ज़िंदगी का प्रतिरूप बन गए।

उ०- लॉरेंस का जीवन सादगी भरा था, वे प्रकृति प्रेमी थे। सालिम अली का व्यक्तित्व भी लॉरेंस की तरह सरल व सुलझा हुआ था।

(ख) कोई अपने जिस्म की हरारत और दिल की धड़कन देकर भी उसे लौटाना चाहे तो वह पक्षी अपने सपनों के गीत!

दोबारा कैसे गा सकेगा

उ०- यहाँ लेखक का आशय है कि मृत्यु के बाद हम उस व्यक्ति को अपने किसी प्रयास द्वारा पुनः जीवित नहीं कर सकते।

(ग) सालिम अली प्रकृति की दुनिया में एक टापू बनने की बजाए अथाह सागर बनकर उभरे थे।

उ०- सालिम अली प्रकृति के लिए संसार में खोज-बीन करते थे। इस काम के लिए उन्होंने कोई सीमा ~~स~~ तय नहीं की थी, वे एक टापू की तरह किसी स्थान या पशु विशेष तक सीमित नहीं थे। उन्होंने अथाह सागर की तरह प्रकृति में

जो - जो अनुभव किया, उसे सबके साथ साझा किया, उनका कार्यक्षेत्र बहुत विशाल था।

५. इस पाठ के आधार पर लेखक की भाषा - शैली की चार विशेषताएँ बताइए।

उ०- लेखक की भाषा - शैली की विशेषताएँ :-

१. इनका भाषा अत्यंत सरल तथा सहज है।
२. हिंदी के साथ - साथ उन्होंने अंग्रेजी व उर्दू के शब्दों का प्रयोग भी किया है।
३. उनकी भाषा - शैली चित्रात्मक है।
४. उन्होंने अभिव्यक्ति - शैली का भी सहारा लिया है।

६. प्रस्तुत पाठ सालिम अली की पर्यावरण के प्रति चिंता को भी व्यक्त करता है। पर्यावरण को बचाने के लिए आप कैसे योगदान दे सकते हैं?

उ०- पर्यावरण को बचाने के लिए हम निम्नलिखित योगदान दे सकते हैं :-

१. वनों का संरक्षण करके।
२. वातावरण को साफ - सुथरा रख कर।
३. प्लास्टिक का उपयोग ना करके।
४. जल, मृदा, वायु, ध्वनि प्रदूषण ना करके।